प्रैस विज्ञपित

रसायन शास्त्र के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का समापन समारोह आज दिनांक 18. 12.2010 को मुख्य अतिथि प्रो. के.सी. मल्होत्रा, पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने शिक्षा के व्यापारीकरण पर चिन्ता व्यक्त की और उन्होंने कहा कि शिक्षक को अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व व प्रतिभा से समाज व विद्यार्थियों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। पुरातन गुरु–शिष्य परम्परा को पुर्नजीवित करते हुए विद्यार्थियों के मानवीय मूल्यों के विकास मार्ग पर प्रशस्त करना चाहिए। उन्होंने अध्यापकों को रसायन ज्ञान द्वारा पर्यावरण संरक्षण व ऊर्जा संवर्धन की ओर प्रयोगात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. कुलवन्त सिंह पठानिया, निदेशक, अकादमिक स्टॉफ कॉलेज ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया व विभिन्न गतिधियों के बारे में अवगत कराया। प्रो. पठानिया ने कहा कि इस तरह के आयोजित कार्यक्रमों से अध्यापकों का ज्ञान वर्धन ही नहीं बल्कि अध्ययन और अध्यापन की नई विधियों का भी सृजन होता है। उन्होंने प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वह विद्यार्थी के ज्ञान के प्रसार के साथ उन्हें एक अच्छे मानवीय प्राणी बनने के लिए प्रात्साहित करें।

कोर्स समन्वयक प्रो. (श्रीमती) नीरज शर्मा ने तीन सप्ताह के दौरान हुए रसायन सम्बन्धित आधुनिक विषयों जैसे छंदवजमबीदवसवहलए ठपवबवउचंजपइपसपजलए ˆजमतमव बिमउपेजतलए फनंदजनउ बिमउपेजतल पर हुई चर्चा का विवरण दिया। इस समारोह में विभागाध्यक्ष प्रो. डी.के. शर्मा व विभाग के अन्य अध्यापकगण भी उपस्थित थे।

डॉ. शशी बाला कालिया ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. किरण रेखा, उपनिदेशक, अकादमिक स्टॉफ कॉलेज ने कहा कि इस कोर्स में नौ राज्यों के 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।